भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4172 का उत्तर

यात्री संरक्षा उपायों का उन्नयन

4172. श्री अरविंद गणपत सावंत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के अंतर्गत यात्री सुरक्षा उपायों, विशेषकर संकेतन प्रणाली और स्टेशन अवसंरचना को उन्नत करने के लिए आधुनिकीकरण पहल की योजना बनाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा करने और यात्री मार्गों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर की क्षमता बढ़ा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या संपर्क और यात्रा दक्षता में सुधार के लिए अधिक मांग वाले मार्गों पर नई एक्सप्रेस/सेमी-हाई-स्पीड रेलगाड़ियाँ शुरू की गई हैं/की जा रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): भारतीय रेल में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पिछले कुछ वर्षों में किए गए विभिन्न संरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप, दुर्घटनाओं की संख्या में भारी गिरावट आई है।

परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं की संख्या कम हो गई है जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:

वर्ष	परिणामी दुर्घटनाएं
2014-15	135
2025-26 (28.02.2026 तक)	14 (90% की कमी)

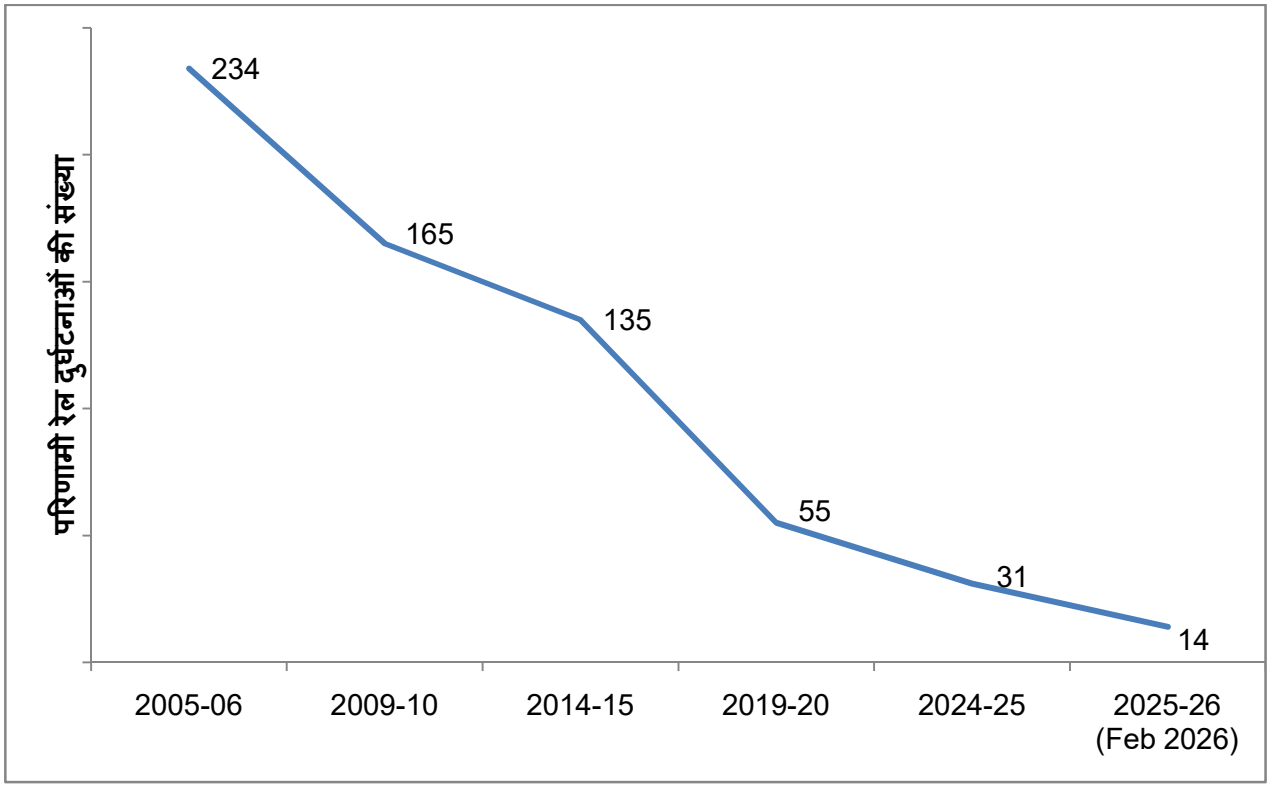
रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा में सुधार दर्शाने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण सूचकांक परिणामी दुर्घटना सूचकांक है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:

परिणामी दुर्घटना सूचकांक:-

वर्ष	दुर्घटना सूचकांक
2014-15	0.11
2024-25	0.03 (73% की कमी)

यह सूचकांक सभी रेलगाड़ियों के कुल चालन किलोमीटर के अनुपात के रूप में परिणामी दुर्घटनाओं की संख्या को मापता है।

$$\text{दुर्घटना सूचकांक} = \frac{\text{परिणामी दुर्घटनाओं की संख्या}}{\text{रेलगाड़ियों की संख्या x मिलियन किलोमीटर चालन}}$$



रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा का संवर्धन करने के लिए किए गए विभिन्न संरक्षा संबंधी उपाय निम्नानुसार हैं:-

1. भारतीय रेल में पिछले कुछ वर्षों में संरक्षा संबंधी गतिविधियों पर व्यय को बढ़ाया गया है, जो निम्नानुसार है:-

संरक्षा संबंधी गतिविधियों पर व्यय/बजट (करोड़ रु. में)					
2013-14	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26	2026-27
39,200	87,336	1,01,662	1,14,022	1,17,693	1,20,389

2. मानवीय चूक के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने के लिए, 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 6,665 रेलवे स्टेशनों पर कांटों एवं सिगनलों के केंद्रीकृत परिचालन के साथ विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली की व्यवस्था की गई है।
3. समपार रेलफाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए, 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 10,153 समपार रेलफाटकों पर अंतर्पाशन की व्यवस्था की गई है।
4. संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 28.02.2026 की स्थिति के अनुसार 6,669 रेलवे स्टेशनों पर विद्युत साधनों द्वारा रेलपथ अधिभोग के सत्यापन द्वारा रेलवे स्टेशनों के पूर्ण रेलपथ परिपथन की व्यवस्था की गई है।
5. सिगनल प्रणाली की संरक्षा से संबंधित मुद्दों जैसे अनिवार्य समरूपता जांच, परिवर्तन कार्य प्रोटोकॉल, समापन आरेखण तैयार करने आदि के संबंध में विस्तृत अनुदेश जारी किए गए हैं।
6. प्रोटोकॉल के अनुसार सिगनल एवं दूरसंचार उपस्करों के लिए डिस्कनेक्शन और रिकनेक्शन प्रणाली पर पुनः बल दिया गया है।
7. लोको पायलटों की सतर्कता में सुधार लाने के लिए सभी रेलइंजनों में सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) लगाए गए हैं।
8. मास्ट पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव सिग्मा बोर्ड उपलब्ध कराए जाते हैं, जो विद्युतीकृत क्षेत्रों में सिगनलों से दो शिरोपरि उपस्कर मास्ट से पहले मौजूद होता है ताकि कोहरे के मौसम

के कारण दृश्यता कम होने पर चालकदल को आगे मौजूद सिगनल के बारे में सचेत किया जा सके।

9. कोहरे से प्रभावित क्षेत्रों में लोको पायलटों के लिए जीपीएस आधारित फॉग सेफ्टी डिवाइस (एफएसडी) उपलब्ध कराया जाता है जो लोको पायलटों को अगले थलचिह्नों यथा सिगनल, समपार रेलफाटकों आदि की दूरी जानने में समर्थ बनाते हैं।
10. प्राथमिक रेलपथ नवीकरण करते समय आधुनिक रेलपथ संरचना इस्तेमाल की जा रही है जिसमें 60 किलोग्राम, 90 चरम तन्य सामर्थ्य पटरियां, लचीले जुड़नारों के साथ प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) सामान्य/चौड़ा आधार स्लीपर, पीएससी स्लीपरों पर पंखानुमा विन्यास के टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर शामिल हैं।
11. मानवीय त्रुटियों का न्यूनीकरण करने के लिए पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि जैसी रेलपथ मशीनों के उपयोग द्वारा रेलपथ बिछाने की गतिविधियों का यांत्रिकीकरण।
12. रेलपथ नवीकरण की प्रगति बढ़ाने और जोड़ों के वेल्डन से बचने के लिए 130 मीटर/260 मीटर लंबे पटरी पैनलों की आपूर्ति को अधिकतम करना, जिसके द्वारा संरक्षा में सुधार होता है।
13. दोष का पता लगाने और दोषपूर्ण पटरियों को समय पर हटाने के लिए पटरियों का पराश्रव्य दोष संसूचन परीक्षण (यूएसएफडी)।
14. अधिक लंबी पटरियां बिछाना, एल्यूमिनो थर्मिक वेल्डन के उपयोग को कम करना और पटरियों के लिए बेहतर वेल्डन तकनीक अर्थात फ्लैश बट वेल्डन को अपनाना।
15. ओएमएस (दोलन निगरानी प्रणाली) और टीआरसी (रेलपथ अभिलेखी यानों) द्वारा रेलपथ भूमिति की निगरानी।
16. वेल्डन/पटरियों की दरारों का पता लगाने के लिए रेल पटरियों पर गश्त लगाना।
17. टर्नआउट नवीकरण कार्यों में थिक वेब स्विच और वेल्डन योग्य सीएमएस पारणों का उपयोग।
18. संरक्षा पद्धतियों के अनुपालन हेतु कर्मचारियों की निगरानी और जागरूक करने के लिए नियमित अंतराल पर निरीक्षण किए जाते हैं।
19. रेलपथ परिसंपत्तियों की वेब आधारित ऑनलाइन निगरानी प्रणाली अर्थात युक्तिसंगत अनुरक्षण आवश्यकता का निर्णय लेने और साधन-सामग्री को इष्टतम बनाने के लिए रेलपथ डेटाबेस और निर्णय सहायता प्रणाली को अपनाया गया है।

20. रेलपथ की संरक्षा संबंधी मुद्दों अर्थात् एकीकृत ब्लॉक, गलियारा ब्लॉक, कार्यस्थल संरक्षा, मानसून पूर्वोपाय आदि के संबंध में विस्तृत अनुदेश जारी किए गए हैं।
21. रेलगाड़ियों का संरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए रेल परिसंपत्तियों (सवारी डिब्बों एवं मालडिब्बों) का निवारक अनुरक्षण किया जाता है।
22. पारंपरिक सडिका डिजाइन के रेल डिब्बों को एलएचबी डिजाइन के रेल डिब्बों से बदला जा रहा है।
23. जनवरी 2019 तक बड़ी लाइन मार्ग पर बिना चौकीदार वाले सभी समपारों को समाप्त कर दिया गया है।
24. पुलों का नियमित निरीक्षण करके रेल पुलों की संरक्षा सुनिश्चित की जाती है। इन निरीक्षणों के दौरान आंकी गई दशाओं के आधार पर पुलों की मरम्मत/पुनर्स्थापन कार्य किया जाता है।
25. भारतीय रेल ने सभी सवारी डिब्बों में यात्रियों की व्यापक सूचना के लिए सांविधिक "अग्नि सूचनाएं" प्रदर्शित की है। प्रत्येक सवारी डिब्बे में आग संबंधी पोस्टर लगाए गए हैं ताकि यात्रियों को आग लगने पर रोकथाम करने के लिए 'क्या करें' और 'क्या न करें' के बारे में शिक्षित और सचेत किया जा सके। इसमें सवारी डिब्बों के भीतर ज्वलनशील वस्तुएँ, विस्फोटकों को नहीं ले जाने, धूम्रपान नहीं करने, जुर्माना आदि से संबंधित संदेश शामिल हैं।
26. उत्पादन इकाइयां नवनिर्मित पावर कारों और रसोई यानों में आग संसूचन एवं शमन प्रणाली तथा नवनिर्मित सवारी डिब्बों में आग एवं धूम्र संसूचन प्रणाली उपलब्ध करा रही हैं। क्षेत्रीय रेलों द्वारा मौजूदा सवारी डिब्बों में चरणबद्ध विधि से उत्तरोत्तर फिटमेंट किया जा रहा है।
27. कर्मचारियों को नियमित परामर्श और प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
28. दिनांक 30.11.2023 की राजपत्र अधिसूचना के तहत भारतीय रेल (चालित लाइन) साधारण नियम में चलायमान ब्लॉक प्रत्यय की शुरूआत की गई थी, जिसमें चलायमान आधार पर अग्रिम में 52 सप्ताह तक परिसंपत्तियों के एकीकृत अनुरक्षण/मरम्मत/प्रतिस्थापन के कार्य की योजना बनाई जाती है और योजना के अनुसार निष्पादित किया जाता है।

रेलवे द्वारा किए गए बेहतर अनुरक्षण पद्धतियों, प्रौद्योगिकीय सुधारों, बेहतर अवसंरचना और चल स्टॉक आदि के संबंध में संरक्षा संबंधी कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार सारणीबद्ध है:-

क्र.सं.	मद	2004-05 से 2013-14	2014-15 से 2024-25	2004-14 की तुलना में 2014-25
प्रौद्योगिकीय सुधार				
1.	उच्च-गुणवत्ता वाली पटरियों का उपयोग (60 किलोग्राम) (किलोमीटर)	57,450 किलोमीटर	1.43 लाख किलोमीटर	2 गुना से अधिक
2.	अधिक लंबी रेल पटरियां (260 मीटर) (किलोमीटर)	9,917 किलोमीटर	77,522 किलोमीटर	लगभग 8 गुना
3.	इलेक्ट्रोनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	837 स्टेशन	3,691 स्टेशन	4 गुना से अधिक
4.	कोहरा पास संरक्षा उपकरण (अदद)	31.03.14 तक 90 अदद	31.03.25 तक 25,939	288 गुना
5.	थिक वेब स्विच (अदद)	शून्य	28,301 अदद	
बेहतर अनुरक्षण पद्धतियां				
1.	प्राथमिक रेल नवीकरण (रेलपथ किलोमीटर)	32,260 किलोमीटर	49,941 किलोमीटर	1.5 गुना
2.	यूएसएफडी (पराश्रव्य दोष संसूचन) वेल्डन परीक्षण (अदद)	79.43 लाख	2 करोड़	2 गुना से अधिक
3.	वेल्डन की खराबियां (अदद)	2013-14 में: 3699 अदद	2024-25 में: 370 अदद	90% कमी
4.	पटरियों में दरारें (अदद)	2013-14 में: 2548 अदद	2024-25 में: 289 अदद	88% से ज्यादा कमी
बेहतर अवसंरचना और चल स्टॉक				
1.	जोड़े गए नए रेलपथ	14,985	34,428	2 गुना से

	किलोमीटर (रेलपथ किलोमीटर)	किलोमीटर	किलोमीटर	अधिक
2.	फ्लाईओवर (आरओबी)/ अंडरपास (आरयूबी) (अदद)	4,148 अदद	13,808 अदद	3 गुना से अधिक
3.	बड़ी लाइन पर बिना चौकीदार वाले समपार (अदद)	31.03.14 तक: 8,948	31.03.24 तक: शून्य (31.01.19 तक सभी समाप्त कर दिए गए)	समाप्त कर दिए गए
4.	एलएचबी सवारी डिब्बों का विनिर्माण (अदद)	2,337 अदद	42,677	18 गुना से अधिक

<u>कवच का कार्यान्वयनः</u>

1. कवच एक स्वदेश विकसित स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली (एटीपी) है।कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए सर्वोच्च स्तर के संरक्षा प्रमाणन (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है।
2. यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।
3. यात्री गाड़ियों पर पहला फील्ड परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। इस प्रकार प्राप्त अनुभव और निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकनकर्ता (आईएसए) द्वारा प्रणाली के निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 में तीन फर्मों को अनुमोदित किया गया था।
4. कवच को जुलाई, 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।
5. कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में निम्नलिखित कार्यकलाप शामिल हैं:
   क. प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक खण्ड पर स्टेशन कवच का संस्थापन।
   ख. पूरे रेलपथ की लंबाई में आरएफआईडी टैग का संस्थापन।
   ग. समग्र खंड में दूरसंचार टावरों का संस्थापन।
   घ. रेलपथ के बगल में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना।

ङ. भारतीय रेल पर चल रहे प्रत्येक रेल इंजन पर लोको कवच का प्रावधान।

6. दक्षिण मध्य रेल के 1465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 के संस्थापन और प्राप्त अनुभव के आधार पर आगे और सुधार किए गए। अंततः आरडीएसओ द्वारा दिनांक 16.07.2024 को कवच विशिष्टि संस्करण 4.0 को अनुमोदित किया गया।

7. कवच 4.0 संस्करण में विविध रेल नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेल की संरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अल्प अवधि के भीतर, भारतीय रेल ने स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षण प्रणाली विकसित की है, कापरीक्षण किया गया और उसे संस्थापित करना शुरू कर दिया है।

8. कवच संस्करण 4.0 में किए गए प्रमुख सुधारों में अवस्थिति सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिगनल संबंधी पहलुओं की बेहतर जानकारी, ओएफसी पर स्टेशन-से-स्टेशन कवच इंटरफ़ेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से सीधा इंटरफ़ेस शामिल है। इन सुधारों के साथ, कवच संस्करण 4.0 को भारतीय रेल में बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना है।

9. व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के उपरांत, कवच संस्करण 4.0 को 1452 मार्ग किलोमीटर पर सफलतापूर्वक चालू किया गया है, जिसमें शामिल उच्च घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्ग निम्नानुसार हैः

क्र.सं.	रेल खंड	प्रगति (मार्ग कि.मी.)
(1)	दिल्ली-मुंबई मार्ग:	
i	जंक्शन केबिन - पलवल मथुरा -- नागदा खंड	667
ii	वडोदरा - अहमदाबाद खंड	96
iii	वडोदरा - विरार खंड	336
(2)	दिल्ली-हावड़ा मार्ग:	
i	गया सरमाटांड़ खंड	93
ii	छोटा अमबोना - बर्द्धमान - हावड़ा खंड	260

10. इसके अलावा, भारतीय रेल के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिह्नित रेलखंडों को कवर करते हुए 24,427 मार्ग किलोमीटर पर कवच के रेलपथ साइड कार्यों का कार्यान्वयन प्रारंभ किया गया है।

11. 14.03.2026 के अनुसार दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारों समेत उच्च घनत्व वाले मार्गों पर कवच के प्रमुख मदों की प्रगतिनिम्नानुसार है:

क्र.सं.	मदें	प्रगति
i	ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना	8570 कि.मी.
ii	दूरसंचार टावरों का संस्थापन	1100 अदद
iii	स्टेशन डेटा सेंटर	767 स्टेशन
iv	रेलपथ साइड उपकरणों का संस्थापन	6776 मार्ग कि.मी.
v	रेलइंजनों में कवच का प्रावधान	4211

12. उपरोक्त उल्लिखित रेलखंडों में उन रेलखंडों को भी शामिल किया गया है जो आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से होकर गुजरती है।

13. इसके अलावा, 8,979 विद्युत रेल इंजनों और 1200 ईएमयू/एमईएमयू के संस्थापना का कार्य किया गया है।

14. सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय रेल के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में कवच पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 55,000 से अधिक तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच प्रौद्योगिकी के विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसमें लगभग 47,500 लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट सम्मिलित हैं। यह पाठ्यक्रम इरिसेट के सहयोग से तैयार किया गया है।

15. कवच को स्टेशन सहित रेलपथ साइड उपस्करों के प्रावधान की लागत लगभग 50 लाख रुपए/कि.मी. है और इंजनों पर कवच के उपस्करों के लगाए जाने की लागत लगभग 80 लाख रुपए/रेलइंजन है।

16. फरवरी, 2026 तक 'कवच' प्रणाली से संबंधित कार्यों पर कुल 2,763.90 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान कुल ₹1673.19 करोड़ की राशि का आवंटन हुआ है। कार्यों की प्रगति के अनुरूप अपेक्षित पूंजी उपलब्ध कराई जाती हैं।

<u>अमृत भारत स्टेशन योजनाः</u>

रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण**
- **रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था**
- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।**

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैः</u>

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, 180 रेलवे स्टेशनों पर निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं। अभी तक निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अयोध्या धाम, बादामी, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिण्ड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, चांदा फोर्ट, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिन्दवाड़ा चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीष़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जयचण्डी पहाड़, जुन्नार देव, काकीनाडा टाउन, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, केडगांव, खैरथल, खंभालिया, खलीलाबाद, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलितुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, माहे, महुवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मधुपुर, मनापराई, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एम.सी.एस. छत्तरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मूरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नंदुरा, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताणा, पानागढ़, पनकी धाम, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हाल्ट, रायनपाडु, सहारनपुर जंक्शन, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिउरी, श्री बाला ब्रहमेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमंपुर, स्वामीनारायण छपिया, तालचेर, तामलुक, थावे, थिरुवरूर

जंक्शन, तिरुवन्नामलाई, टूनि, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकरा, वडाला रोड, विदिशा, वृद्धाचलम जंक्शन, वडक्कांचेरि, वारंगल।

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- तिरुपति रेलवे स्टेशन: दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, 2 अदद एयर कॉनकोर्स और सीवेज ट्रीटमेंट संयत्र के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स, उत्तर दिशा में स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर के कार्य शुरू किए गए हैं।

- नेल्लोर स्टेशन: पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ की दिशाओं के स्टेशन की चिनाई और प्लास्टर के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ की स्टेशन भवन के सबवे विस्तार, पार्किंग, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र, जल टैंक और एयर कॉनकोर्स के परिष्करण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बैंगलोर कैंटोंमेंट स्टेशन: दक्षिण की ओर डायवर्जन रोड, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर की ओर छात्रावास, इलेक्ट्रिक सबस्टेशन भवन के कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा की ओर का स्टेशन भवन, उत्तर दिशा की ओर का स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- कोटा जंक्शन स्टेशन: फ्रंट प्रस्थान हॉल, फ्रंट आगमन हॉल, पिछली और की स्टेशन इमारत के संरचनात्मक कार्य पूरे गए हैं। फ्रंट प्रस्थान हॉल, पिछली और की स्टेशन बिल्डिंग, एयर कॉनकोर्स, पूर्ण छत कार्य, और परिचलन क्षेत्र के विकास के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- भुवनेश्वर स्टेशन: पश्चिम और पूर्वी दिशा की स्टेशन इमारत, एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का उत्थापित ड्राइववे, ऊपरी पैदल पुल के विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर का नया कार्य शुरू किया गया है। पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का नया स्टेशन भवन, एमईपी (यांत्रीक, बिजली एवं प्लंबिंग) का कार्य, एचवीएसी (तापन, वेंटिलेशन और एयर कंडिशनींग) और एस्केलेटर्स के परिष्करण कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/दशा/यातायात संभलाई आदि के आधार पर निष्पादित किए जाते हैं।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 12,120 करोड़ रुपये का निधि आवंटन किया गया है और अभी तक (फरवरी, 2026 तक) 11,892 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

<u>डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर</u>

रेल मंत्रालय ने कुल दो समर्पित माल गलियारे अर्थात लुधियाना से सोननगर तक पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारा (1337 कि.मी.) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल से दादरी तक पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा (1506 कि.मी.) का निर्माण शुरू किया है।

पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारे का कार्य पूरा हो चुका है और इसे चालू कर दिया गया है। पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे में, कुल 1506 मार्ग किलोमीटर में से 1404 मार्ग

किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है और इसे चालू कर दिया गया है। वैतरणा-जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल खंड (102 मार्ग किलोमीटर) तक पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे के शेष कार्य को शुरू किया गया है।

समर्पित माल यातायात गलियारों ने माल यातायात को पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारा और पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा की ओर मोड़ कर पारंपरिक नेटवर्क पर अतिरिक्त मार्ग का सृजन करने में योगदान दिया है। इस समय, इन गलियारों पर प्रति दिन औसतन 443 गाड़ियां चलाई जा रही हैं।

भारत सरकार ने बजट 2026 में एक नई समर्पित माल यातायात गलियारा अर्थात्, डानकुनी - सूरत की घोषणा की है। समर्पित माल गलियारों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को तैयार करने/अद्यतन करने का कार्य डेडीकेटेड फ्रेड कॉरिडोर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएफ़सीसीआईएल) को सौंपा गया है। संरेखण और वित्तपोषण के मॉडल को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

<u>वंदे भारत (कुर्सी यान), वंदे भारत(शयनयान), अमृत भारत रेलगाड़ियां, नमो भारत रैपिड रेल</u>

भारतीय रेल अन्य बातों के साथ-साथ नई गाड़ी सेवाएं शुरू करके यात्रियों के लिए यात्रा सुविधाओं को बढ़ाने का निरंतर प्रयास करती है। भारतीय रेल ने, 2020-2021 से 2025-2026 (फरवरी, 2026 तक) की अवधि के दौरान रेल नेटवर्क पर 1078 नई गाड़ी सेवाएं शुरू की। इन सेवाओं में 158 वंदे भारत (कुर्सी यान) सेवाएं, 02 वंदे भारत (शयनयान) सेवाएं, 54 अमृत भारत सेवाएं और 04 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं शामिल हैं।

भारतीय रेल ने यात्रियों के यात्रा अनुभव में सुधार लाने के उद्देश्य से आधुनिक सवारी डिब्बों, उन्नत संरक्षा सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ स्वदेशी रूप से डिजाइन और विनिर्मित वंदे भारत गाड़ियां शुरू की हैं। इन नई वंदे भारत कुर्सी यान गाड़ियों में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

- **झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर।**
- **कवच से सुसज्जित।**
- **केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे**
- **सभी सवारी डिब्बों में आपातकालीन अलार्म पुश बटन और टॉक बैक इकाई**

- बेहतर अग्नि संरक्षा-विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।
- 180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।
- वॉइस रिकॉर्डिंग सुविधा और क्रैश हार्डन्ड मेमोरी के साथ चालक-गार्ड संपर्क।
- यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।
- बेहतर यात्रा अनुभव
- सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।
- दिव्यांग यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।
- रिमोट निगरानी के लिए कोच कंडीशन निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस)।

12.03.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 162 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं (कुर्सी यान) एक्सप्रेस परिचालित की जा रही हैं, जो निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	22435/22436 नई दिल्ली - वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
2	22439/22440 श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
3	20901/20902 गांधीनगर कैपिटल-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
4	22447/22448 अंब अंदौरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
5	20607/20608 मैसूरु-एमजीआर चेन्नै सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस
6	20825/20826 नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
7	22301/22302 न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस

8	20833/20834 सिकंदराबाद-विशाखपत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस
9	22223/22224 साई नगर शिरडी-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
10	22225/22226 सोलापुर-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
11	20171/20172 निज़ामुद्दीन - रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस
12	20701/20702 तिरुपति-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
13	20643/20644 कोयंबटूर-चेन्नै वंदे भारत एक्सप्रेस
14	20977/20978 चंडीगढ़- अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस
15	20633/20634 तिरुवनंतपुरम - कासरगोड वंदे भारत एक्सप्रेस
16	22895/22896 पुरी-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
17	22457/22458 देहरादून-आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस
18	22227/22228 गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
19	20911/20912 नागपुर-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस
20	22229/22230 मडगांव-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
21	22349/22350 रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
22	20661/20662 धारवाड़-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस
23	20173/20174 रीवा-रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस
24	22549/22550 गोरखपुर - प्रयागराज वंदे भारत एक्सप्रेस
25	12461/12462 साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
26	22925/22926 ओखा-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
27	20665/20666 तिरुनेलवेली-चेन्नै एग्मोर वंदे भारत एक्सप्रेस

28	20677/20678 नारसापुर-चेन्नै वंदे भारत एक्सप्रेस
29	20703/20704 यशवंतपुर-काचीगुडा वंदे भारत एक्सप्रेस
30	20631/20632 तिरुवनंतपुरम-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
31	26963/26964 उदयपुर-असरवा वंदे भारत एक्सप्रेस
32	22347/22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
33	20835/20836 पुरी-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस
34	20897/20898 रांची-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
35	22415/22416 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
36	20641/20642 कोयंबटूर- बेंगलुरु कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
37	20645/20646 मंगलूरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस
38	20705/20706 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) - नांदेड़ वंदे भारत एक्सप्रेस
39	22477/22478 श्री माता वैष्णो देवी कटरा - नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
40	22425/22426 आनंद विहार - अयोध्या कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
41	22487/22488 अमृतसर- दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस
42	22962/22961 मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
43	20707/20708 विशाखपत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस
44	20663/20664 चेन्नै-मैसूरु वंदे भारत एक्सप्रेस
45	22233/22234 पटना-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस
46	22470/22469 खजुराहो-निज़ामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस
47	22231/22232 बेंगलुरु-कलबुर्गि वंदे भारत एक्सप्रेस

48	20841/20842 विशाखपत्तनम-भुवनेश्वर वंदे भारत एक्सप्रेस
49	22345/22346 गोमतीनगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस
50	20887/20888 वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस
51	22545/22546 देहरादून-लखनऊ जं. वंदे भारत एक्सप्रेस
52	22490/22489 वाराणसी - मेरठ सिटी वंदे भारत एक्सप्रेस
53	20627/20628 नागरकोइल-चेन्नै एग्मोर जंक्शन वंदे भारत एक्सप्रेस
54	20671/20672 बेंगलुरु कैंट-मदुरै वंदे भारत एक्सप्रेस
55	22500/22499 देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस
56	22309/22310 जमालपुर-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
57	20871/20872 राउरकेला-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
58	21893/21894 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
59	20892/20891 टाटानगर - ब्रह्मपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
60	22303/22304 गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस
61	20669/20670 पुणे-हुब्बल्लि जंक्शन वंदे भारत एक्सप्रेस
62	20673/20674 पुणे-छत्रपति साहु महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस
63	20101/20102 सिकंदराबाद-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
64	20829/20830 विशाखपत्तणम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस
65	21893/21894 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
66	21895/21896 पटना-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस
67	20175/20176 बनारस - आगरा कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस

68	26901/26902 वेरावल-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस
69	26401/26402 श्रीनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
70	26403/26404 श्रीनगर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
71	26501/26502 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस
72	26751/26752 केएसआर बेंगलुरु-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस
73	26406/26405 अमृतसर - श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस
74	26101/26102 पुणे - अजनी वंदे भारत एक्सप्रेस
75	26302/26301 जोगबनी - दानापुर वंदे भारत एक्सप्रेस
76	26481/26482 दिल्ली कैंट-जोधपुर - वंदे भारत एक्सप्रेस
77	26471/26472 दिल्ली कैंट-बीकानेर वंदे भारत एक्सप्रेस
78	26462/26461 दिल्ली - फिरोजपुर कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस
79	26651/26652 एरणाकुलम-केएसआर बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस
80	26506/26505 खजुराहो-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस
81	26504/26503 सहारनपुर - गोमतीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस

इसके अलावा, लंबी दूरी की यात्रा को सेवित करने के लिए, भारतीय रेल ने वंदे भारत एक्सप्रेस की शयनयान संस्करण आरंभ किया है। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 02 वंदे भारत स्लीपर सेवाएं परिचालित की जा रही हैं, जो निम्नानुसार हैं:-

क्र.सं.	गाड़ी सं .और नाम
1	27575/27576 हावड़ा - कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस

<u>वंदे भारत स्लीपर गाड़ियों</u> में मुहैया कराई गई विस्तृत प्रौद्योगिकीय विकास और संरक्षा विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- **झटका मुक्त सेमी परमामेंट कपलर एवं एंटी-क्लाइम्बर।**
- **कवच से सुसज्जित।**
- **180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।**
- **ईएन मानकों के साथ कार बॉडी के अनुरूप दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।**
- **अग्नि संरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारी डिब्बे के अंत में अग्नि अवरोधक दरवाजे।**
- **बेहतर अग्नि संरक्षा-विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।**
- **ऊर्जा दक्षता के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली।**
- **यात्री क्षेत्र के भीतर स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए अनुकूलित हवा से 99% हानिकारक बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने के लिए, एयर कंडीशनिंग इकाइयों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली लगाई गई है।**
- **केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गैंगवे**
- **सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।**
- **आपातकालीन स्थिति में यात्री और गाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।**
- **दिव्यांगजन यात्रियों के लिए ड्राइविंग कोच में दोनों तरफ विशेष शौचालय।**
- **यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश व्यवस्था आदि की स्थिति पर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।**
- **ऊपर की शायिकाओं पर चढ़ने में सुगमता के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीढ़ी।**

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नामक रेलगाड़ी विकसित की हैं, जो पूर्णतः अवातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ियां हैं। वर्तमान में, 58 सेवाएं परिचालित की जा रही है। इन आधुनिक रेलगाड़ियों में 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 रसोई-यान और 2 सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं।

क्र.सं.	गाड़ी संख्या और नाम
1	11015/11016 लोकमान्य तिलक (टर्मिनल) - सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस
2	13697/13698 गया - दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
3	15293/15294 मुजफ्फरपुर - चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
4	15557/15558 दरभंगा - आनंद विहार (टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस
5	15561/15562 दरभंगा - गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
6	15567/15568 बापुधाम मोतिहारी - आनंद विहार (टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस
7	22361/22362 राजेंद्रनगर (टर्मिनल) - नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
8	13433/13434 एसएमवीटी बेंगलुरु - मालदा टाउन अमृत भारत एक्सप्रेस
9	13435/13436 मालदा टाउन - गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस
10	15133/15134 छपरा - आनंद विहार (टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस
11	14047/14048 सीतामढ़ी - दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस
12	14627/14628 सहरसा - छैहरटा अमृत भारत एक्सप्रेस
13	19623/19624 मदार - दरभंगा अमृत भारत एक्सप्रेस
14	16601/16602 ईरोड - जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस
15	19021/19022 उधना - ब्रह्मपुर अमृत भारत एक्सप्रेस

16	15671/15672 कामाख्या - रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस
17	20609/20610 न्यू जलपाईगुड़ी - तिरुच्चिराप्पल्लि अमृत भारत एक्सप्रेस
18	16597/16598 एसएमवीटी बेंगलुरु - अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
19	11031/11032 पनवेल - अलीपुरद्वार अमृत भारत एक्सप्रेस
20	16107/16108 ताम्बरम - सांतरागाछि अमृत भारत एक्सप्रेस
21	13065/13066 हावड़ा - आनंद विहार (टर्मिनल) अमृत भारत एक्सप्रेस
22	22587/22588 सियालदह - बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस
23	20603/20604 न्यू जलपाईगुड़ी - नागरकोविल अमृत भारत एक्सप्रेस
24	15949/15950 डिब्रूगढ़ - गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस
25	16121/16122 ताम्बरम - तिरुवनंतपुरम सेंट्रल अमृत भारत एक्सप्रेस
26	16329/16330 नागरकोविल - मंगलूरू अमृत भारत एक्सप्रेस
27	17041/17042 चर्लपल्ली - तिरुवनंतपुरम नॉर्थ अमृत भारत एक्सप्रेस
28	16619/16620 नागरकोविल- धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस
29	16619/16620 नागरकोविल- चर्लपल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस

इन गाड़ियों में निम्नलिखित उन्नत सुविधाएँ और विशेषताएं शामिल हैं:

- वंदे भारत स्लीपर के समान उन्नत रूप और अनुभूति वाले सीट और बर्थ का बेहतर साज-सज्जा।
- झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर्स।
- क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में बेहतर क्रैशवर्दीनैस।
- सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।

- शौचालयों का बेहतर डिज़ाइन।
- बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी का बेहतर डिज़ाइन।
- बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
- ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
- शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली।
- यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।
- यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।
- उन्नत तापन क्षमता वाली गैर-वातानुकूलित रसोई-यान।
- आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित मोचन प्रणाली वाले पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

नमो भारत रैपिड रेल को वंदे भारत गाड़ियों की विशेषताओं का उपयोग करके अंतर्वर्ती कम दूरी की यात्रा के लिए उपनगरीय और क्षेत्रीय यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया है।

वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर निम्नलिखित 4 नमो भारत रैपिड रेल सेवाओं का परिचालन किया जा रहा है।

क्र.सं.	गाड़ी सं. और नाम
1	94801/94802 अहमदाबाद-भुज नमो भारत रैपिड रेल
2	94803/94804 जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल

नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- केंद्रीय रूप से नियंत्रित डबल लीफ स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे।

- **संरक्षा और यात्रियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी।**
- **कुशन वाली सीटों और सीलबंद लचीले गलियारे के साथ मॉड्यूलर आंतरिक सज्जा।**
- **आपातकालीन बातचीत प्रणाली।**
- **ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ एलईडी लाइटों की निरंतर व्यवस्था।**

******